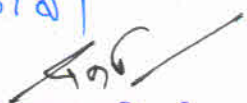


दिनांक	आज्ञा पत्र	
1-1-79	<p>पञ्जावली पत्र 7। उत्तर कर्णल में विद्यमान - महालय के पीठासीन कर्मिकारी के तौर पर बिचारा की निर्दिष्ट कर्मोद्धार प्रत्येक द्वारा ही पात्रि बिना गणना है। तब से कर्मिकारी की मिली की पुस्तक खर्च कराना बिना आज बिना सम्मान ही ही फल प्रदान पञ्जावली पाठकीय राजव महालय कर्मिकारी का निम्न प्रमाण बिना वरिष्ठ कर्मिकारी निर्दिष्ट बिना</p> <p style="text-align: center;">  मुख्य अधिकारी एवं पदेन राजव अपील अधिकारी साक </p>	

